ISSN : 2582-1792 (P)
WEBINAR SPECIAL ISSUE

SHODH SAMAGAM

A double - blind, peer-reviewed, quarterly,
multidisciplinary and multilingual research journal
Special issue for Webinar

IMPACT OF COVID-19 On Employment in Organized and Unorganized Sectors of Chhattisgarh On June, 04, 2020

Organized by
Vivekanand Mahavidyalaya
K.K. Road, Moudhapara, Raipur, Chhattisgarh

Aditi Publication
Raipur, Chhattisgarh
www.shodhsamagam.com

SN.	Particular/Author name	P.N.
18.	Impact of Covid - 19 on agriculture sector in India **Prof. Unnati Chauhan**	65-70
19.	COVID19 – Blockage and Turmoil of Economic Health of INDIA **Dr. Ashok kumar Jha, Dr. Shantanu Paul**	71-77
20.	Impact of Covid-19 on Health Insurance: Opportunities and Challenges **Dr. Pushpinder Kaur Benipal**	78-81
21.	Role Of World Health Organisation (WHO) In The Context of Covid-19 **Dr. Arunesh Kumar Gupta**	82-85
22.	2020 A Global Conflict and Its impact on World Economy **Prof. Rajneesh Kant Tiwari, Prof. Archana Tiwari**	86-89
23.	कोविड – 19 के अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था मे रोगगार का बदलता स्वरूप डॉ. आशीष दुबे	90–93
24.	कोविड–19 भारतीय सामाजिक व्यवस्था पर प्रभाव संजय चंद्राकर, स्वीटी चंद्राकर	94–95
25.	कोविड–19 का जनजीवन पर प्रभाव डॉ. श्रीमती धनेश्वरी दुबे	96–99
26.	छत्तीसगढ़ में कोविड –19 का संगठित व असंगठित क्षेत्र में कार्यरत मजदूरों के रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन डॉ. दीपा देवागंन	100–102
27.	आत्मनिर्भर भारत अभियानरू सुदृढ़ ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर विवेक कुमार शर्मा	103–104
28.	छत्तीसगढ़ में मजदूरो के पलायन से अर्थव्यवस्था व रोजगार पर प्रभाव का अध्ययन पवन कुमार ताम्रकार	104–108

कोविड–19 का जनजीवन पर प्रभाव

डॉ. श्रीमती धनेश्वरी दुबे,
सहायक प्राध्यापक
गवर्नमेंट इंजीनियर विश्वेश्वरैया स्नाकोत्तर महाविद्यालय, कोरवा (छत्तीसगढ़)

प्रस्तावना :

कोरोनावायरस (सी ओ वी) का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान मे शुरू हुआ था। विश्व स्वास्थ्यसंगठन (डब्लू एच ओ) के अनुसार बुखार, खांसी, सांस लेने मेतकलीफ इसके लक्षण है। इसके संक्रमण के फलस्वरुप नाक वहना और गले में खराश होना जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती है।

कोरोनावायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने कोरोना वायरस को महामारी घोषित कर दिया है। कोरोना वायरस बहुत सूक्ष्म लेकिन प्रभावी वायरस है। यह वायरस मानव के बाल की तुलना में 900 गुना छोटा है। लेकिन कोरोना का संक्रमण दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है। अब तक इस वायरस को रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है। कोविड–19 नाम का यह वायरस अब तक 70 से ज्यादा देशों में फैल चुका है।

कोविड–19का जनजीवन में प्रभाव :

कोविड–19 के देश में प्रवेश करने से लोगों में काफी हलचल सी मच गईद्य इससे जनजीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा लोगों को कोरोना के कहर से बचाने के लिए सरकार को देश में लॉकडाउन करना पड़ा। इस लॉकडाउन से जन जीवन में कुछ लाभकारी प्रभाव देखने को मिला जिसे हम सकारात्मक प्रभाव कह सकते हैं, तो कुछ हानिकारक प्रभाव सामने आया जिसे हम नकारात्मक प्रभाव भी कह सकते हैं। अतएव कोविड–19 का जनजीवन में प्रभाव को जानने के पहले'लॉकडाउन क्या है? इसका अर्थ समझना उपयोगी होगा।

लॉकडाउन का अर्थ :

लॉकडाउन अर्थात बंद या तालाबंदी। ऐसी स्थिति में जब पूरा देश बंद हो उसे लॉकडाउन कहते हैं। इसके तहत सभी को अपने–अपने घरों में रहने की सलाह दी गई है जिसका सरकार की तरफ से कड़ाई से पालन भी करवाया जा रहा है। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि कोरोना वायरस महामारी मानव जाति के इतिहास में पहली बार आई है।

अब पूरा देश इस वायरस से लड़ने के लिए अपने–अपने घरों में कैद हो गया है। इस महामारी के प्रकोप से लाखों लोग अपनी जान गवां चुके हैं और इससे बचने का सिर्फ एक ही रास्ता है और वो है' सोशल डिस्टेंसिंग' यानी सामाजिक दूरी। यह संक्रमण एक से दूसरे इंसान तक बहुत तेजी से फैलता है जिसके कारण भारत सरकार ने लॉकडाउन को हीइससे बचने के लिए आवश्यक कहा है।

लॉकडाउन का लाभकारी या सकारात्मक प्रभाव :

लॉकडाउन से पहले के समय की बात करें तो उस वक्त हम सभी अपने रोजमर्रा के कामों में इतना व्यस्त